अंक – 45 18.08.2025 सोमवार

कैमूर चेतना-सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्त्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री
श्री मंगल पाण्डेय

बिहार के सहकारिता मंत्री
श्री प्रेम कुमार

AUGUST 2025

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

समाहरणालय कैमूर

कार्यालय
जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावास मंच, भभुआ , कैमूर

शुभकामना संदेश

कैमूर चेतना - सत्र

"कैमूर चेतना सत्र" शिक्षण एवं चेतना - सत्र संसाधन पत्रिका के रूप में प्रस्तुत यह अभिनव प्रयास कैमूर जिले के शिक्षा जगत में एक प्रेरणादायक पहल है।
यह सामग्री शिक्षकों एवं विद्यार्थियों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, जो न केवल कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाएगी, बल्कि विद्यार्थियों की अभिरुचि, समझ और जिज्ञासा को भी सुदृढ़ करेगी।
गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अद्यतन संसाधनों का निर्माण और उपयोग अत्यावश्यक है।
इस दिशा में "कैमूर चेतना सत्र" शिक्षकों को नवाचार की ओर प्रेरित करेगा और कक्षा शिक्षण में नवीनता का संचार करेगा।
इस संसाधन सामग्री के निर्माण में कैमूर चेतना-सत्र निर्माण कोषांग के सदस्यों की रचनात्मक सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। इन दोनों शिक्षकों का यह प्रयास अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।
मैं इस पत्रिका की सम्पादकीय टीम को इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।
आशा है कि यह पत्रिका शिक्षक व विद्यार्थियों — दोनों के लिए ज्ञान, प्रेरणा एवं नवाचार की सशक्त धारा सिद्ध होगी।

06/08/

श्री राजन कुमार बि. शि. से. (प्रशासनिक)
जिला शिक्षा पदाधिकारी , कैमूर

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग

प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

संपादक समूह :

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ , कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो सके |

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावाश मंच ,
भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101
ईमेल – chetnakaimur@gmail.com

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

एक भारतीय राष्ट्रवादी

जन्म और शिक्षा :

सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक उड़ीसा में हुआ था। उनके पिता जानकीनाथ बोस एक प्रसिद्ध वकील थे, और माता प्रभावती देवी थीं।

उन्होंने कटक के प्रोटेस्टेंट यूरोपियन स्कूल और फिर रेवेंशॉ कॉलेजिएट स्कूल में पढ़ाई की।

1919 में, उन्होंने भारतीय सिविल सेवा (ICS) परीक्षा पास की, लेकिन बाद में देश की स्वतंत्रता के लिए इसे छोड़ दिया।

राजनैतिक जीवन:

सुभाष चंद्र बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए और जल्द ही एक प्रमुख नेता बन गए। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक तरीकों से असहमति जताई और सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त करने की वकालत की।

1938 में कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में सर्वसम्मति से कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया | इस अधिवेशन में सम्पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित किया गया |

1939 में, उन्होंने " ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक" की स्थापना की। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, उन्होंने जर्मनी और जापान जैसे धुरी राष्ट्रों के साथ गठबंधन किया, ताकि भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराया जा सके। उन्होंने "आजाद हिंद फौज" का गठन किया |

प्रमुख नारा :

'दिल्ली चलो', 'जय हिन्द' & "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूँगा" |

आत्मकथा : द इंडियन स्ट्रगल

मृत्यु:

18 अगस्त, 1945 को एक हवाई दुर्घटना में सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु हो गई, हालांकि उनकी मृत्यु को लेकर आज भी विवाद है।

विरासत:

सुभाष चंद्र बोस को भारत में एक महान स्वतंत्रता सेनानी और देशभक्त के रूप में जाना जाता है। उन्हें "नेताजी" के नाम से जाना जाता है। आज भी, उनकी जयंती (23 जनवरी) को "पराक्रम दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

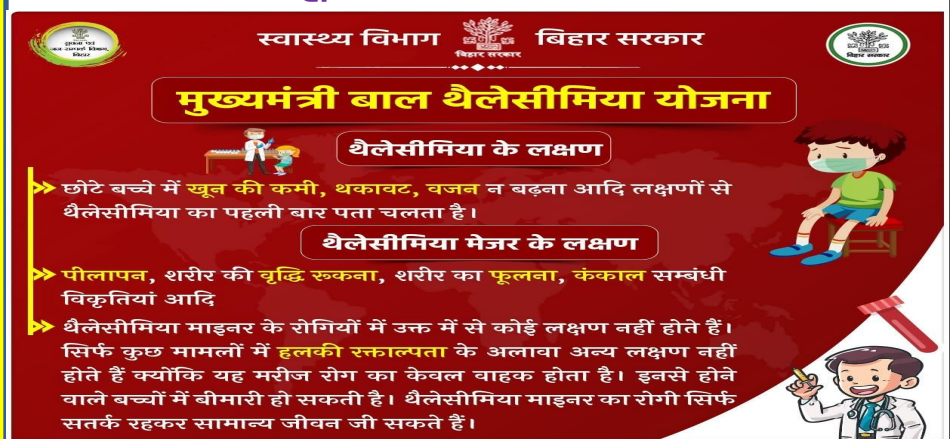

1. प्रार्थना

प्रार्थना

इतनी शक्ति हमें देगा दाता मन का विश्वास, कमजोर हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना।

दूर अज्ञान के हों अँधेरे,तू हमें ज्ञान की रौशनी दे।
हर बुराई से बचके रहें हम, जितनी भी दे भली जिन्दगी दे॥
बैर हो न किसी का किसी से,भावना मन में बदले की होना,
हम चले नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना॥

इतनी शक्ति हमें देगा दाता मन का विश्वास, कमजोर हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना।

हम न सोचें हमें क्या मिला है,हम ये सोचें किया क्या है अर्पण
फूल खुशियों के बाँटे सभी में,सबका जीवन भी बन जाये मधुबन
अपनी करुणा का जल तू बहा दे, करदे पावन हर एक मन का कोना,
हम चले नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना॥

इतनी शक्ति हमें देगा दाता मन का विश्वास, कमजोर हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना।

अभियान गीत

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब,
हम होंगे कामयाब एक दिन
मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन...

होगी शांति चारों ओर, होगी शांति चारों ओर
होगी शांति चारों ओर, एक दिन
मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
होगी शांति चारों ओर एक दिन
हम होंगे कामयाब ...

हम चलेंगे साथ-साथ डाल हाथों में हाथ
हम चलेंगे साथ-साथ, एक दिन
मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन
हम होंगे कामयाब ...

नहीं डर किसी का आज नहीं डर किसी का आज,
मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
नहीं डर किसी का आज एक दिन
हम होंगे कामयाब ...

छात्र प्रतिज्ञा

"भारत मेरा देश है। हम सब भारतीय भाई-बहन हैं। मुझे अपने देश से प्यार है और इसकी समृधि और विविध संस्कृति पर मुझे गर्व है। मैं हमेशा इसके योग्य बनने का प्रयास करूंगा। मैं अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करूंगा और सभी के साथ विनम्रता से पेश आऊंगा। मैं अपने देश और देशवासियों के प्रति वफादार रहने की प्रतिज्ञा करता हूं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"शिक्षा किस्मत ही नहीं कीमत भी बदल देती है।

3. रोचक तथ्य

भारत में रविवार की छुट्टी नारायण मेघाजी लोखंडे के प्रयासों से घोषित की गई थी | 10 जून 1890 को ब्रिटिश सरकार ने भारतीय श्रमिकों को साप्ताहिक अवकाश के रूप में मान्यता दी | यह फैसला लोखंडे द्वारा मजदूरों के अधिकारों के लिए चलाये गए आन्दोलन का परिणाम था |

4. दिवस विशेष

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पूण्यतिथि

18 अगस्त 1945 को नेताजी का विमान ताइपेई (तब फॉर्मोसा, जापान का नियंत्रण क्षेत्र) में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में नेताजी गंभीर रूप से जल गए और कथित रूप से उसी दिन उनका निधन हो गया। हालाँकि कई मानते हैं कि वास्तव में उनका निधन हुआ ही नहीं, बल्कि वह गुप्त रूप से जीवित रहे। शानवाज़ कमेटी (1956), खोसला कमेटी (1970) और मुखर्जी आयोग (1999–2005) ने इस पर जाँच की, परंतु निष्कर्ष एकमत नहीं रहे। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि नेताजी रूस चले गए थे।

5. आज का इतिहास

1868 : फ्रांस के खगोलविद पियरे जेनसीन ने हिलियम की खोज की।

1951 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर की स्थापना।

1945 : सुभाष चंद्र बोस का विमान हादसा

2008 : पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का इस्तीफा।

1800 : लॉर्ड वेलेजली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की थी।

6. सामान्य ज्ञान

प्रश्न : भारत के पहले राष्ट्रपति कौन थे?
उत्तर : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

प्रश्न : छठ पर्व किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
उत्तर : बिहार

प्रश्न : मधुबनी पेंटिंग" किस राज्य की प्रसिद्ध लोककला है?
उत्तर : बिहार

प्रश्न : भारत का संविधान कब लागू हुआ?
उत्तर : 26 जनवरी 1950

प्रश्न : कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को MDM में प्रतिदिन कितने ग्राम अनाज दिया जाता है?
उत्तर : 100 ग्राम

प्रश्न : बिहार के शिक्षा मंत्री कौन है ?
उत्तर : श्री सुनील कुमार

प्रश्न : कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को प्रतिदिन कितने ग्राम अनाज दिया जाता है?
उत्तर: 150 ग्राम

प्रश्न : बिहार में स्नातक पास करने पर छात्राओं को कितनी राशि दी जाती है ?
उत्तर: 50000

प्रश्न : मध्याह्न भोजन योजना कब प्रारम्भ की गई थी?
उत्तर : 1995

प्रश्न : साधारण नमक का रासायनिक सूत्र क्या है ?
उत्तर: NaCl

प्रश्न : लोकसभा का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु कितनी होनी चाहिए?
उत्तर : 25 वर्ष

प्रश्न : वर्तमान समय में (2025) बिहार विधान सभा में कुल कितनी सीटें हैं?
उत्तर : 243

7. शब्द ज्ञान

क्या सही है ?	What is right?
मेरा यकीन करो।	Believe me.
मैं पता लगा लूंगा।	I will find it.
मैंने कब कहा?	When did I say ?
हद हो गई।	This is too much
जाहिर सी बात है।	It's obvious
कुछ काम कर लो।	Do some work
वो घर पर नहीं है।	He is not at home.

8. तर्क ज्ञान

Q. तीन अंको की कुल कितनी संख्यायें है ?	900
Q. चिड़िया : घोंसला :: घोडा : ?	अस्तबल
Q. आपके पिता के भाई के बेटे की पत्नी की सास आपकी क्या लगेगी ?	चाची

9. प्रेरक प्रसंग

!! विद्वान !!

एक महान विद्वान से मिलने के लिये एक दिन रोशनपुर के राजा आये। राजा ने विद्वान से पूछा, 'क्या इस दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति है जो बहुत महान हो लेकिन उसे दुनिया वाले नहीं जानते हो?' विद्वान ने राजा से विनम्र भाव से मुस्कुराते हुये कहा, 'हम दुनिया के ज्यादातर महान लोगों को नहीं जानते हैं।' दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो महान लोगों से भी कई गुना महान हैं।

राजा ने विद्वान से कहा, 'ऐसे कैसे संभव है'। विद्वान ने कहा, मैं आपको ऐसे कई व्यक्तियों से मिलवाऊंगा। इतना कहकर विद्वान, राजा को लेकर एक गांव की ओर चल पड़े। रास्ते में कुछ दुर पश्चात् पेड़ के नीचे एक बुढ़ा आदमी वहाँ उनको मिल गया।

बुढ़े आदमी के पास एक पानी का घड़ा और कुछ डबल रोटी थी। विद्वान और राजा ने उससे मांगकर डबल रोटी खाई और पानी पिया ।जब राजा उस बूढ़े आदमी को डबल रोटी के दाम देने लगा तो वह आदमी बोला- महोदय, मैं कोई दुकानदार नहीं हूँ। मैं बस वही कर रहा हूँ जो मैं इस उम्र में करने योग्य हूँ। मेरे बेटे का डबल रोटी का व्यापार है, मेरा घर में मन नहीं लगता इसलिये राहगिरों को ठंडा पानी पिलाने और डबल रोटी खिलाने आ जाया करता हूँ। इससे मुझे बहुत खुशी मिलती है।

विद्वान ने राजा को इशारा देते हुए कहा कि देखो राजन् इस बुढ़े आदमी की इतनी अच्छी सोच ही इसे महान बनाती है।फिर इतना कहकर दोनों ने गाँव में प्रवेश किया तब उन्हें एक स्कूल नजर आया। स्कूल में उन्होंने एक शिक्षक से मुलाकात की और राजा ने उससे पूछा कि आप इतने विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं तो आपको कितनी तनख्वाह मिलती है।

उस शिक्षक ने राजा से कहा कि महाराज मैं तनख्वाह के लिये नहीं पढ़ा रहा हूँ, यहाँ कोई शिक्षक नहीं थे और विद्यार्थियों का भविष्य दाव पर था इस कारण मैं उन्हें मुफ्त में शिक्षा देने आ रहा हूँ।

विद्वान ने राजा से कहा कि महाराज दूसरों के लिये जीने वाला भी बहुत ही महान होता है। और ऐसे कई लोग हैं जिनकी ऐसी महान सोच ही उन्हें महान से भी बड़ा महान बनाती हैं।इसलिए राजन् अच्छी सोच आदमी का किस्मत निर्धारित करती है। इसलिए हमेशा अच्छी बातें ही सोचकर कार्य करें और महान बनें। आदमी बड़ी बातों से नहीं बल्कि अच्छी सोच व अच्छे कामों से महान माना जाता है।

शिक्षा:-जीवन में कुछ प्राप्त करने के लिये और सफलता हासिल करने के लिये बड़ी बातों को ज्यादा महत्व देने के बजाय अच्छी सोच को ज्यादा महत्व देना चाहिये क्योंकि आपकी अच्छी सोच ही आपके कार्य को निर्धारित करती है।

10 . बूझो तो जाने

सोने की वह चीज है, पर बेचे नही सुनार।
मोल तो ज्यादा है नही, बहुत है उसका भार। उत्तर: चारपाई

"हर सुबह एक नया सत्र, हर दिन एक नई प्रेरणा"

कैमूर चेतना - सत्र टीम

संपर्क सूत्र : 8271039022